Saathi

Date 21/05/2020 Page - 1 to 3

B.A., PART - IST
POLITICAL SCIENCE
PAPER-I (BASIC PRINCIPLES OF POLITICAL THEORY)
CH - 11 (JUSTICE)
LECTURE NO. 34 (THIRTY FOUR)

By, OM KUMAR SINGH
ASSISTANT PROFESSOR
DEPTT OF POL. SC.
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
LNMU, DARBHANGA

न्याय धारणा के विविध रूप
Various Forms of the Concept of Justice

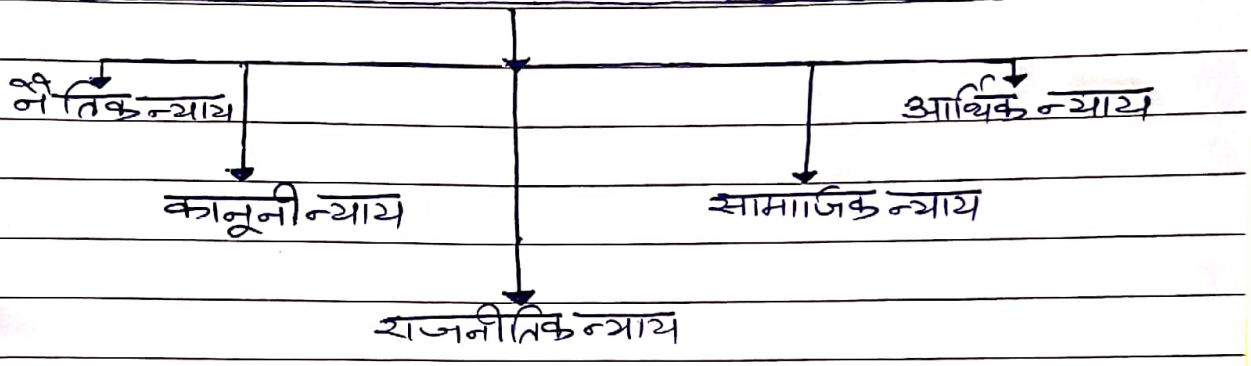

नैतिक न्याय :-
(Moral Justice)

न्याय की धारणा की शुरुआत नैतिक न्याय के रूप में हुई है। यह इस पर आधारित है कि विश्व में कुछ सर्वव्यापक, अपरिवर्तनीय तथा अंतिम प्राकृतिक नियम हैं जो कि व्यक्तियों के आपसी सम्बंधों को ठीक प्रकार से संचालित करते हैं। इन प्राकृतिक नियमों और प्राकृतिक अधिकारों पर आधारित जीवन व्यतीत करना ही नैतिक न्याय है।

सत्य बोलना, प्राणी मात्र के प्रति दयाभाव बर्ताव करना और हिंसा न करना, कल्याण हेतु किए गए प्रतिज्ञा को पूरी या वचन का पालन करना, ईमानदारी का परिचय देना, उपयुक्त को दान देना, प्रेम-भाव, भाईचारा, आदि नैतिक न्याय के तत्व माने जाते हैं। समाज में इन तत्वों के आधार जब मनुष्य का आचरण होता है, तब वह अवस्था नैतिक न्याय की होती है। यदि मनुष्य का आचरण इन तत्वों के आधार नहीं होता है, तो वह

Scanned with CamScanner

अवस्था नैतिक न्याय के विपरीत होता है। नैतिक न्याय और नैतिकता एक-दूसरे से सम्बंधित होते भी इनमें कुछ अन्तर हैं और नैतिकता नैतिक न्याय की तुलना में निश्चित रूप से व्यापक है।

(2) कानूनी न्याय
Legal Justice –

कानूनी भाषा में समस्त कानूनी व्यवस्था जैसे- न्योचित कानून का निर्माण, न्योचित ढंग से कानून को लागू करना, कानून का उल्लंघन करने पर उचित दण्ड और दण्ड देने में किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं करना, आदि का प्रावधान कर विधि का शासन स्थापित करना ही कानूनी न्याय है। अतः समाज में सभी व्यक्तियों को विधि के समक्ष समान मानना एवं सभी के लिए विधि का निष्पक्ष प्रयोग करना ही विधि न्याय या कानूनी न्याय है।

(3) राजनीतिक न्याय
Political Justice –

राजनीतिक न्याय का आशय है शासन के कार्यों एवं राजनीतिक गतिविधियों में बिना किसी भेदभाव से सभी नागरिकों की भागीदारी या समान सहभागिता को सुनिश्चित करना।

वयस्क मताधिकार, सभी व्यक्तियों के लिए विचार, अभिव्यक्ति, भाषण, सम्मेलन और संगठन आदि की नागरिक स्वतंत्रताएँ, प्रेस की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को सार्वजनिक पद प्राप्त होना, आदि राजनीतिक न्याय प्राप्ति के साधन हैं, और ये प्रजातांत्रिक व्यवस्था में ही सम्भव प्रतीत होता है।

Scanned with CamScanner

(4) सामाजिक न्याय :
Social Justice

सामाजिक न्याय का आशय है कि समाज के प्रत्येक सदस्य को बिना किसी भेदभाव के विकास का समान अवसर प्राप्त होना। सामाजिक न्याय की धारणा में यह बात निहित है कि अच्छे जीवन के लिए आवश्यक एवं समुचित परिस्थितियाँ व्यक्ति को प्राप्त होनी चाहिए और इस सम्बंध में समाज राजनीतिक सत्ता से यह आशा करता है कि वह अपने विधायी तथा प्रशासनिक कार्यक्रमों द्वारा ऐसे समाज की स्थापना करेगा, जो समानता पर आधारित हो।

वर्तमान यह अत्यंत ही लोकप्रिय है और विश्व के अनेक भागों में इस पर जोर दिया जा रहा है।

(5) आर्थिक न्याय :
Economic Justice

आर्थिक न्याय का तात्पर्य है कि समाज के प्रत्येक सदस्य की न्यूनतम आर्थिक आवश्यकताएँ पूरी हो; अर्थ या धन के आधार पर वर्गों के बीच का अन्तराल न्यूनतम हो तथा राज्य द्वारा कमजोर वर्गों के हितों की पूर्ति हेतु अधिकतम प्रयास किए जाएँ।

आर्थिक न्याय के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए व्यक्तिगत सम्पत्ति के अधिकार को सीमित किया जाना आवश्यक है।

— x — x — x — x — x — x —

सम्भावित प्रश्न :

न्याय के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए।

Scanned with CamScanner